

राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
बिहार लोक भवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–248/2026

भारत की सांस्कृतिक विविधता हमारी सबसे बड़ी ताकत है –राज्यपाल

पटना 20 नवम्बर, 2026 :– माननीय राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सय्यद अता हसनैन (सेवानिवृत्त) ने प्रेमचंद रंगशाला, पटना में राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव 'इंद्रधनुष' का उद्घाटन किया। इसका आयोजन पूर्व क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, कोलकाता; उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज एवं दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर द्वारा संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और कला एवं संस्कृति विभाग, बिहार सरकार के सहयोग से किया जा रहा है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विविधता हमारी सबसे बड़ी ताकत है। 'इंद्रधनुष' की परिकल्पना देश के विभिन्न क्षेत्रों की कला, संस्कृति, परंपराओं, खान–पान और पहनावे को एक मंच पर लाने की सराहनीय पहल है। ऐसे आयोजन लोगों को एक–दूसरे की संस्कृति को जानने, समझने और उसका सम्मान करने का अवसर देते हैं तथा 'विविधता में एकता' की भावना को मजबूत करते हैं।

उन्होंने प्रयागराज स्थित उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की सक्रिय सांस्कृतिक भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था पूरे वर्ष, विशेषकर सर्दियों के मौसम में, विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों का मनोरंजन करने के साथ–साथ उन्हें शिक्षित भी करती है।

बिहार की सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने दुर्गापूजा, दीपावली और छठ महापर्व की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि बिहार में रहकर छठ पूजा को करीब से देखने और समझने का अवसर उनके लिए एक अनूठा अनुभव रहा है। इस पर्व की आस्था, अनुशासन और सामूहिक सहभागिता अद्भुत है।

राज्यपाल ने कहा कि इस महोत्सव में लगभग 400 प्रतिभागियों की सहभागिता के साथ नृत्य, संगीत, थियेटर, चित्रकला, हस्तशिल्प, पारंपरिक परिधान और खान–पान जैसे सात सांस्कृतिक आयामों को शामिल किया गया है। इससे देश के विभिन्न क्षेत्रों की सांस्कृतिक विशेषताओं को जानने और आपसी संवाद को बढ़ावा देने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने मीडिया से इस महोत्सव की गतिविधियों का व्यापक प्रचार–प्रसार करने की अपील करते हुए कहा कि इतने बड़े आयोजन की जानकारी समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचनी चाहिए। उन्होंने दूरदर्शन, अन्य मीडिया चैनलों और सोशल मीडिया के माध्यम से कार्यक्रमों को अधिकाधिक लोगों तक पहुँचाने पर बल दिया।

राज्यपाल ने युवाओं से विशेष रूप से आग्रह किया कि वे महोत्सव में भाग लें, विभिन्न कलाओं और परंपराओं को समझें तथा कलाकारों से संवाद करें। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि शिक्षा और ज्ञान प्राप्त करने का भी महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने लोगों से बिहार संग्रहालय का भ्रमण कर राज्य की समृद्ध ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को जानने की भी अपील की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह महोत्सव सांस्कृतिक आदान–प्रदान और राष्ट्रीय एकता को नई मजबूती प्रदान करेगा।

.....